भाजपा के लिए दिल्ली दूर क्यों

दिल्ली में बीजेपी क़रीब तीन दशक से सत्ता से ग़ायब है. ये दिलचस्प है क्योंकि बीजेपी को बीते तीन लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सभी सीटों पर जीत मिली है

बीजेपी के सामने दिल्ली में क्या है चुनौती, क्यों नहीं बना पाती है सरकार?

● मंथन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार छह बार चुनाव हारने के बाद सातवीं बार उसे जीतने के इरादे से बीजेपी मैदान में उतर रही है। पहले बीजेपी तीन बार कांग्रेस के हाथों हार का सामना कर चुकी है और फिर आम आदमी पार्टी ने उसे विजयी बढ़त नहीं लेने दी। दिल्ली में बीजेपी क़रीब तीन दशक से सत्ता से ग़ायब है। ये दिलचस्प है क्योंकि बीजेपी को बीते तीन लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सभी सीटों पर जीत मिली है। लेकिन इस दौरान विधानसभा चुनावों में पार्टी सफल नहीं हो पाई है। बीजेपी ने इस दौरान राज्य में पार्टी के नेतृत्व में भी कई चेहरों को आज़माया है लेकिन चुनावी सफलता उससे दूर ही रही है।

क्या इस बार सत्ता का दरवाज़ा खुल पाएगा?

प्रधानमंत्री मोदी ने आम आदमी पार्टी पर 'आप-दा' कहकर हमला किया है। उन्होंने

कहा है, 'दिल्ली में एक ही आवाज़ गूंज रही है, आप-दा नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे। अब दिल्ली विकास की धारा चाहती है।'

जबकि गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को 'शीशमहल' बनाने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने कहा, '15 लाख देने के नाम पर झूठ बोला, काला धन लाने के नाम पर झूठ बोला, फसल के दाम दोगुना करने के नाम पर झूठ बोला, 15 अगस्त 2022 तक पक्का मकान देने के नाम पर झूठ बोला। क्या किया है प्रधानमंत्री जी और उनकी पार्टी ने। 37 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़े हैं एक साल के अंदर इसका कोई हिसाब किताब है। अकेले यूपी में 7 लाख से ज़्यादा बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ा है।'

अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पहले भी कई बार 'पंद्रह लाख' को लेकर आरोप लगाती रही है। हालांकि बीजेपी कई बार कह चुकी है कि मोदी ने अपनी रैली में ऐसा कुछ नहीं कहा था।

दरअसल साल 2013 में नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने से पहले अपने एक चुनावी भाषण में कहा था, ''ये जो चोर लुटेरों के पैसे विदेशी बैंकों में जमा हैं न, उन्हें भी हम ले आए न, तो भी हिन्दुस्तान के एक-एक ग़रीब आदमी को मुफ़्त में 15-20 लाख़ रुपये यूं ही मिल जाएंगे।''

बाद में इस मुद्दे पर एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा था, 'ये जुमला है। किसी के अकाउंट में पंद्रह लाख़ रुपये कभी भी नहीं जाता है, ये उनको (केजरीवाल) को भी मालूम है, आपको भी मालूम है और जनता को भी मालूम है।' अमित शाह ने कहा था, 'काले धन को वापस लाकर ग़रीबों को फ़ायदा पहुंचाने की बात है। उनकी योजनाएं बनती हैं, उनके फ़ायदे के लिए काम होता है। किसी को कैश कभी नहीं दिया जाता है। ये सबको मालूम है। ये भाषण देने का एक तरीका है। अगर ये बात केजरीवाल जी नहीं समझ सकते हैं तो मुझे तरस आता है।'

'बीजेपी के पास स्थानीय नेता का अभाव': दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने मुफ़्त बिजली, मुफ़्त पानी शामिल है, वो अच्छी लगती हैं। लोगों को लगता है कि आम आदमी पार्टी की सरकार जो वादा करती है, उसे पूरा करती है, इसलिए वो बीजेपी को वोट नहीं देते हैं। इसके अलावा वो दिल्ली में बीजेपी के पास स्थानीय नेता का अभाव भी एक बड़ा कारण है। 'बीजेपी के पास दिल्ली में मदनलाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा या केदारनाथ साहनी जैसा कोई स्थानीय नेता नहीं है, जिनकी ज़मीनी पकड़ काफ़ी मज़बूत थी। इसलिए प्रधानमंत्री को चुनाव प्रचार में उतरना पड़ता है और फिर भी उसकी हार होती है।' 'केंद्र के स्तर पर जो मोदी की विश्वसनीयता है वो बीजेपी के पास दिल्ली में नहीं है और न पार्टी ने किसी को इस मामले में आगे बढ़ाया जिस पर जनता भरोसा कर सके और लगे कि वो केजरीवाल को चुनौती दे सके।' मोहल्ला क्लिनिक, बिजली, पानी, मुफ़्त यात्रा जैसी आप सरकार की स्पष्ट योजनाओं का सीधा लाभ जनता को मिलता है, और लोगों ने उन्हें आज़माया है, इसलिए वो कहीं और नहीं जाना चाहते हैं।

अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक पर भारत ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

अफगानिस्तान के साथ खड़ा हुआ भारत... पाकिस्तान के लिए कह दी ऐसी बात कि लग जाएगी मिर्ची

● मंथन संवाददाता

न्यूज डेस्क। अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की भारत ने कड़ी निंदा की है। इस दौरान भारत की ओर से ऐसी टिप्पणी की गई जिसे सुनकर पाकिस्तान को मिर्ची लग जाएगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान ने इन हमलों के बारे में कहा कि इसका उद्देश्य कुछ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था।

पाकिस्तानी हवाई हमले की भारत ने की निंदा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने महिलाओं और बच्चों सहित अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों की मीडिया रिपोर्ट पर गौर किया है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। हम निर्दोष नागरिकों पर किसी भी तरह के हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं।'

पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत- एमईए

एमईए प्रवक्ता ने कहा, 'अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए अपने पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। हमने इस संबंध में एक अफगान प्रवक्ता की प्रतिक्रिया पर भी गौर किया है।' अफगानिस्तान में आम नागरिकों पर एयर स्ट्राइक की गई है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कई लोगों की जान गई है।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान ने किया हवाई हमला

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की ओर से हुई एयर स्ट्राइक की भारत ने निंदा की है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाते हुए कहा कि नाकामियों के लिए पड़ोसियों को दोष देने की उसकी पुरानी आदत है। हम निर्दोष नागरिकों पर किसी भी हमले की कड़ी निंदा करते हैं।

नये साल का तोहफा

सरकार बनने के बाद हेमंत सोरेन अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए 28 दिसंबर को एक बड़ा कार्यक्रम रखा था

झारखंड में नए साल में महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2500 रू.

● मंथन संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार का दावा है कि सूबे में महिला सशक्तिकरण की दिशा में आज से नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। सरकार बनने के बाद पहले सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 18 से 50 साल की उम्र के बीच की 56 लाख महिलाओं को 2500 रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य में महिलाओं के लिए नए फीचर वाली 'मैया सम्मान योजना' को रीलॉन्च कर रहे है। इसके तहत 18 से 50 साल उम्र के बीच की 56 लाख महिलाओं को 2500 रुपए सम्मान राशि हर महीने दी जाएगी। इस योजना के तहत विधानसभा चुनावों से पहले 1000 रुपए के तीन किस्तों का भुगतान हेमंत सरकार लाभार्थियों के खाते में कर चुकी है।

दरअसल, जब ये योजना लॉन्च हुई थी, तो बीजेपी ने चुनाव से पहले अपना संकल्प पत्र जारी किया था। उस वक्त यह वादा किया था कि बीजेपी ने सत्ता में आते ही हजार नहीं बल्कि 2100 रुपए महिलाओं को सम्मान राशि के तौर पे देगी। इसके बाद जेएमएम की तरफ से खुद सीएम हेमंत सोरेन ने कैंपेनिंग के वक्त ऐलान किया कि सत्ता में वापस आते ही हमारी महिलाओं को 2500

रुपए का सम्मान दिसंबर से देगी।

पिछले दिनों रद्द हो गया था कार्यक्रम

सरकार बनने के बाद हेमंत सोरेन अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए 28 दिसंबर को एक बड़ा कार्यक्रम रखा था। इसमें महिलाओं के लिए सम्मान राशि जारी करना था लेकिन पूर्व पीएम स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह के निधन से राष्ट्रीय शोक के कारण ये कार्यक्रम टल गया। अब सम्मान राशि दो महीने का यानी 5000 रुपए सीएम जारी करेंगे। इसको लेकर रांची के नामकुम के एक मैदान में बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं। इसमें लाखों महिलाओं के जुटने की उम्मीद है। इस दौरान सुरक्षा के लिए करीब 4 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

महिलाओं के सम्मान राशि के लिए महिला बाल कल्याण और सामाजिक सुरक्षा विभाग ने पहले ही 5225 करो? रुपए दिसंबर से मार्च तक के लिए जिलों को भेज दिया है, जिससे वित्तीय वर्ष 2024-25 मार्च तक का प्रावधान किया जा सके।

गेम चेंजर साबित हुई स्कीम: 'मैया सम्मान योजना' को झारखंड विधानसभा चुनावों में गेम चेंजर कहा गया था। दअरसल, जानकारों ने आकलन किया कि महिलाओं ने जमकर जेएमएम और इंडिया ब्लॉक को लिए वोट किया। 81 में से 56 सीट इंडिया ब्लॉक को मिलीं। इसमें 34 जेएमएम को, 16 कांग्रेस को, 4 आरजेडी और वाम दलों को 2 सीटें मिली थीं। कांग्रेस के बारे में कहा गया था कि वो कमजोर कड़ी साबित हो सकती है लेकिन उसने भी अपने 2019 के परफॉर्मेंस को शानदार तरीके से बरकरार रखा। विधानसभा चुनावों में महिलाओं का वोट 2 करोड़ 29 लाख था जबकि पुरुष मतदाता 2 करोड़ 31 लाख थे। साल 2019 में जेएमएम को करीब 28 लाख वोट मिले थे जबकि बीजेपी को 50लाख वोट हासिल हुए थे। इस बार अकेले महिलाओं ने प्यार बरसाया और इंडिया ब्लॉक की नैया पार लगवा दी। अब अगर 56 लाख महिला लाभार्थी हैं और स्कीम चलती रही तो इसका असर आगे की राजनीति में भी नजर आएगा।

जिज्ञासु उद्यमी रमेश कुमार दुआ ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रिलैक्सो फुटवेयर्स को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया

रिलैक्सो के एमडी रमेश कुमार दुआ के लिए सीखना कभी बंद नहीं होता। 62 वर्षीय ने स्वीकार किया कि वह नियमित रूप से अपने कारखानों का दौरा करते हैं और 'सीखने' के लिए वितरकों से मिलते हैं। एमबीबीएस की परीक्षा की तैयारी के दौरान अपने पिता के कहने पर 1976 में एक बहुत छोटे उद्यम वाली कंपनी में शामिल हुए। 17 साल की उम्र में, वह अपने बड़े भाई को हवाई चप्पल के निर्माण व्यवसाय को चलाने में मदद कर रहे थे। 1976 में नीले और सफेद चप्पलों से लेकर 10 आकस्मिक और अर्ध-औपचारिक फुटवियर ब्रांडों तक, रिलैक्सो देश में फुटवियर के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक के रूप में उभरा है, जिसकी आठ कारखानों में प्रतिदिन 600,000 जोड़े से अधिक उत्पादन क्षमता है।

इसके वित्तीय में भी लगातार वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2014 में इसकी आय 1214.6 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2016 में 1715.3 रुपये हो गई। इस दौरान इसका नेट प्रॉफिट 37.3 फीसदी सीएजीआर से बढ़कर 116 करोड़ रुपये हो गया। दिलचस्प बात यह

है कि ऋण में आनुपातिक वृद्धि काफी कम है - यह 4.9 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर 236.4 करोड़ रुपये हो गई।

दुआ ने विकास को 'निरंतर परिवर्तन और विकास' का श्रेय दिया है। चालीस साल पहले, श्रमिक वर्ग के लिए टिकाऊ चप्पलों पर ध्यान केंद्रित किया गया था जो उन्हें एक साल तक चल सके। डिस्पोजेबल आय बढ़ने और लोगों के फैशन के प्रति अधिक जागरूक होने के साथ, रिलैक्सो प्रीमियम फुटवियर पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसकी उत्पाद सूची, जिसे दुआ बच्चों के उत्साह के साथ प्रदर्शित करता है, रंग और स्क्रीन प्रिंट पर जोर देने के साथ-साथ 90 के दशक के मोनोक्रोम से रंगीन फ्लिप-फ्लॉप की नई श्रृंखला तक काफी विपरीत दर्शाता है। कंपनी नई स्क्रीन प्रिंटिंग तकनीक लेकर आई है, जिसके साथ पिछले साल 200 नए डिजाइन लॉन्च किए गए थे। आज तक, रिलैक्सो अपने 10 ब्रांडों में 400 से अधिक डिजाइन पेश करता है। विश्लेषकों का कहना है कि 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहे 48,000 करोड़ रुपये के फुटवियर बाजार में कैजुअल फुटवियर और एक्टिव वियर कैटेगरी ग्रोथ को बढ़ा रही है। 'रिलैक्सो वैल्यू सेगमेंट में इन दोनों श्रेणियों को पूरा करता है। इसके अलावा, चप्पल और स्लिप-ऑन जैसे कार्यात्मक जूते पर इसका ध्यान कम और उच्च मूल्य वाले उपभोक्ता को पूरा करता है,' अंकुर बिसेन, सीनियर वीपी, रिटेल एंड कंज्यूमर कहते हैं। उत्पाद, टेक्नोपैक। रिलैक्सो अनब्रांडेड ट्रेडमार्क और अन्य मूल्य-केंद्रित फुटवियर ब्रांड जैसे एक्शन, लिबर्टी, लखानी और क्षेत्रीय ब्रांडों के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। हाल ही में, खुदरा विक्रेताओं, जैसे कि बिग बाज़ार, ने निजी फुटवियर लेबल भी लॉन्च किए हैं।

मुख्यमंत्री मिल्कीपुर सीट को जीतकर वो फैजाबाद सीट पर मिली हार का बदला लेने की तैयारी में है

मिल्कीपुर सीट पर अखिलेश और अवधेश की मुश्किलें बढ़ीं! बीजेपी ने इन 6 मंत्रियों को मैदान में उतारा

● मंथन संवाददाता

लखनऊ। नवंबर 2024 में 9 सीटों पर हुए उपचुनाव में मिली 6 सीटों पर बड़ी जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी अयोध्या स्थित मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कमर कसना शुरू कर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद संगठन की बैठक में जीत का मंत्र दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अयोध्या की मिल्कीपुर सीट को पहले से ही अपनी साख का विषय बना रखा था। अब मिल्कीपुर सीट को जीतकर वो फैजाबाद सीट पर मिली हार का बदला लेने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए अपनी कैबिनेट के 6 मंत्रियों को मिल्कीपुर जिताने की जिम्मेदारी दे दी है।

इन 6 मंत्रियों को दी गई जिम्मेदारी

मिल्कीपुर सीट जिताने की जिम्मेदारी जिन लोगों को दी गई है उसमें प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर , आयुष एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री डॉ दयाशंकर सिंह दयालु, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और सतीश शर्मा को यह सीट जिताने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सीएम के साथ दोनों डिप्टी सीएम भी लगातार इस विधानसभा क्षेत्र में दौरा कर इस सीट को जिताने के लिए तैयारी करेंगे।

सीएम ने बूथवार टोली बनाकर जनता से सीधा संवाद और जनसंपर्क करने का मंत्र भी कार्यकर्ताओं और नेताओं को दिया है।मंत्रियों के अलावा संगठन के पदाधिकारियों को भी सीट को जिताने के लिए मैदान में उतारा गया है। आपको बता दें कि 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान मिल्कीपुर की सीट समाजवादी पार्टी के टिकट पर अवधेश प्रसाद ने जीती थी वहीं 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान अवधेश प्रसाद फैजाबाद सीट से सांसद चुन लिए गए थे और इस समाजवादी पार्टी की जीत से भाजपा को बड़ा झटका लगा था। ऐसे में भाजपा मिल्कीपुर सीट पर कब्जा करने के लिए माइक्रो मैनेजमेंट के तहत तैयारी करने में जुटी है।